

19 चैत्र कृष्ण बुधवार २०७५
राजसी रा १२/३४
Hizri - 19 Rajab 1440
२७ मार्च २०१९
Sunrise - 5.39 A.M.

MARCH
27
WEDNESDAY

१२ चैत्र बुधवार १८२९
राजसी रा १२/३४
Saka - 6 Chaitra 1941
अश्विन - १२ चैत्र १८२९
Sunset - 5.45 P.M.

पाठ - बोधा :-

Date - 06/06/20
Class - III

1. 'प्रभु ने रचा एक इन्सान' के शब्दों
अर्थ पर (✓) चिह्न लगाओ।

प्रभु ने आरंभ में एक ही इन्सान की
रचना की थी।

प्रभु के रचे हम सभी मानव एक समान हैं।

२. हम प्रभु से क्या बरदान माँगत हैं?

उत्तर :- हम प्रभु से यह बरदान माँगत हैं
कि है भागवान! हमें यह ज्ञान है कि हम
किसी से भेद-भाव न करें, किसी का असम्मान
न करें और हमारे अंदर जो अज्ञान है कि
हम ऊँची जाति या नीची जाति के हैं यह आप
दूर करिये और हमें ज्ञान है कि हम सभी को
एक दृष्टि से देखें, तथा प्रेम पूर्वक साथ रहे।

MAR	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S
2019	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

Class - III

५ चैत्र कृष्ण सोमवार २०७५
पंचमी रा १२/१९
Hizri - 17 Rajab 1440
२५ मार्च २०१९
Sunrise - 5.41 A.M.

MARCH
25
MONDAY

१० चैत्र सोमवार १८२९
पंचमी रा १२/१९
Saka - 4 Chaitra 1941
अहम - १० चैत्र १८२९
Sunset - 5.44 PM

११ चैत्र
बुध रा
Saka -
अहम -
Sunrise

Q1. शब्दांश :- "हो हम सबको यह वरदान" (कविता)

Date - 04/06/20

Sub - Hindi

Reader

Class - III

Q1.

i) आदि - आरंभ

ii) वरदान - मनचाही वस्तु का दान

iii) रचा - बनाया

iv) संतान - बाल - बच्चे, पुत्र - पुत्रियाँ

(भाषा और व्याकरण)

Q2. विलोम शब्द :-

i) रुक - अनेक

iv) अज्ञान - ज्ञान

ii) ऊँच - नीच

v) असमान - समान

iii) नर - नारी

vi) अंत - आदि

Q3. इन शब्दों को शुद्ध रूप में लिखो :-

i) बयान - ज्ञान

iv) बंस - वश

ii) साक्त - शक्ति

v) परभू - प्रभु

iii) इस्वर - ईश्वर

vi) वरदाण - वरदान

१ चैत्र कृष्ण शुक्रवार २०७५
नवमी रा २/४९
Hizri - 21 Rajab 1440
२९ मार्च २०१९
Sunrise - 5.37 A.M.

MARCH
29
FRIDAY

१८ चैत्र शुक्रवार १८३५
नवमी रा २/४९
Saka - 8 Chaitra 1941
अहम - १८ चैत्र १८३५
Sunset - 5.46 P.M.

Inside

प्रश्न :- द्विर गरु पांक्तियों के खाली स्थान भरें :-

मानव - मानव एक समान

एक पिता की सब संतान ।

जाति - वंश सब एक समान

नर और नारी एक समान ।

गैद मिटे, छूटे अज्ञान

दो हम सबको यह वरदान ।

MAR	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S							
2019	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31



आदि शक्ति ईश्वर हैं एक,
केवल उनके नाम अनेक।
प्रभु ने रचा एक इन्सान,
फिर क्यों ऊँच-नीच असमान?

समझें सत्य, मिले वह ज्ञान,
दो हम सबको यह वरदान।

मानव-मानव एक समान,
एक पिता की सब संतान।
जाति-वंश सब एक समान,
नर और नारी एक समान।

भेद मिटे, छूटे अज्ञान,
दो हम सबको यह वरदान।

Complete
04/06/20

१० चैत्र बुध्पतिवार १८२६
अष्टमी वा १/२९
Saka - 7 Chaitra 1941
अहम - १० चैत्र १८२६
Sunrise - 5.38 A.M.

MARCH
28
THURSDAY

८ चैत्र कृष्ण गुरुवार २०१५
अष्टमी वा १/२९
Hizri - 20 Rajab 1440
२८ मार्च २०१९
Sunset - 5.45 P.M.

H.W

कविता

Class - III
Subject - Hindi
Reader
Date - 06/06/20

हो हम सबको यह वरदान

Q1 कविता "हो हम सबको यह वरदान"
के आठ(8) पंक्तियाँ कॉपी में लिखें।

Q2. वाक्य बनाओ :-

(i) प्रभु -

(ii) नारी -

(iii) वरदान -

(iv) ज्ञान -

M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S M T W APR
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 • 2019